भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 3351

दिनांक 08 अगस्त, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

पश्चिम बंगाल में जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम

†3351. श्रीमती रचना बनर्जीः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पश्चिम बंगाल में जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत आवंटित और उपयोग की गई कुल धनराशि कितनी है;

(ख) क्या राज्य को निधि प्रबंधन, आवंटन या कार्यान्वयन में किसी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त राज्य में जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत शामिल लाभार्थियों की संख्या कितनी है और इस योजना का राज्यों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य परिणामों में सुधार पर क्या प्रभाव पड़ा है; और

(घ) सरकार द्वारा विशेषकर पश्चिम बंगाल के ग्रामीण क्षेत्रों में जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम की पहुँच और प्रभावकारिता में किसी भी कमी को दूर करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क): पश्चिम बंगाल में जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम (जेएसएसके) के तहत धनराशि का विवरण अनुलग्नक-I में दिया गया है।

(ख): एनएचएम के अंतर्गत, पश्चिम बंगाल सहित सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को उनकी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत करने के लिए सहायता प्रदान की जाती है, जो राज्य कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (एसपीआईपी) में उनके द्वारा प्रस्तावित आवश्यकताओं और उपलब्ध संसाधनों पर आधारित होती है।

(ग): वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान पश्चिम बंगाल में जेएसएसके के अंतर्गत कवर किए गए लाभार्थियों की संख्या अनुलग्नक-II में दी गई है।

(घ): सरकार एनएचएम के अंतर्गत जेएसएसके सहित केंद्रीय योजनाओं के कार्यान्वयन का आकलन समय-समय पर क्षेत्रीय/राज्य स्तरीय समीक्षा बैठकों, विभिन्न राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों में क्षेत्रीय दौरों और सामान्य समीक्षा मिशनों (सीआरएम) के माध्यम से करती है। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य परिणामों में सुधार हेतु पश्चिम बंगाल सहित सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में केंद्रीय योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन और सुदृढ़ीकरण हेतु निम्नलिखित कदम उठाए हैं:

- राज्य सरकारों के साथ पत्रों और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सहित कई माध्यमों से संवाद।
- जनसंचार माध्यमों सहित सूचना, शिक्षा एवं संचार (आईईसी) और व्यवहार परिवर्तन संचार (बीसीसी) रणनीतियों के माध्यम से योजना को लोकप्रिय बनाना।
- एएनएम, आशा और सीएचओ जैसे क्षेत्रीय कार्यकर्ता पारस्परिक संचार के माध्यम से जमीनी स्तर पर इस कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं।
- स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस) से प्रमुख जेएसएसके संकेतकों की नियमित समीक्षा और निगरानी।
- जेएसएसके के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए राज्यों और जिलों में नियमित सहायक पर्यवेक्षी दौरों की एक प्रणाली लागू है।

*****

लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या **3351** के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक जिसका उत्तर **08.08.2025** को दिया जाना है अनुलग्नक-I

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पश्चिम बंगाल में जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत व्यय का विवरण (लाख रुपये में)		
राज्य	जेएसएसके-मातृ स्वास्थ्य	जेएसएसके-बाल स्वास्थ्य
पश्चिम बंगाल	9,954.85	814.37
नोट: 1. एसपीआईपी अनुमोदन और व्यय राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा प्रस्तुत उपलब्ध वित्तीय प्रबंधन रिपोर्ट के अनुसार हैं और अनंतिम हैं। 2. व्यय में केंद्रीय रिलीज, राज्य का हिस्सा और वर्ष की शुरुआत में अप्रयुक्त शेष राशि शामिल है।		

लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या **3351** के भाग (ग) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक जिसका उत्तर **08.08.2025** को दिया जाना है अनुलग्नक II

वित्त वर्ष 2024-25 में पश्चिम बंगाल में जेएसएसके योजना के अंतर्गत कवर किए गए लाभार्थियों की कुल संख्या		
राज्य	गर्भवती महिलाओं की संख्या	बीमार शिशुओं की संख्या
पश्चिम बंगाल	10,29,039	2,27,455
स्रोत: एचएमआईएस पोर्टल		

*****